जय जय महाश्रमण

नारीलोक

अंक 251 पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान) मई 2019

अध्यक्षीय कार्यालय :
श्रीमती कुमुद कच्छारा
अम्हेर ज्वेलरी, ऑफिस नं. 6
लक्ष्मी भुवन, आनन्दजी लेन
रसिकलाल ज्वेलर्स के सामने
एम.जी. रोड़, घाटकोपर (ई)
मुम्बई – 77
मो. : 9833237907
e-mail : kumud.abtmm@gmail.com

श्रद्धासिक्त अभ्यर्थना !! अभिवंदना !!

उत्सवों की आभा लेकर वैशाख माह आया है देहरी पर
गुरु चरणों में श्रद्धा समर्पण का आया है पावन अवसर।

अक्षय तृतीया है सुपात्र दान की गौरव गाथा का पर्व
आदिदेव आदिनाथ की दीर्घ तपस्या के पारणे का पर्व।
बहनों ! हम भी करे वर्षी तप उपवास का, मौन का, क्षमा का
यही होगी भगवान ऋषभ के प्रति हमारी अभ्यर्थना।।

कलयुग में सतयुग की एक नजीर
गुरुदेव का जीवन है अध्यात्म की उजली तस्वीर
वैशाखी नवमी है तेरापंथ का पुनीत पर्व
रत्न प्रसूता माँ नेमा पर होता है सात्विक गर्व।।
गुरु तुलसी की महर नजर पा पाई जैनी दीक्षा
महाप्रज्ञ गुरुवर कृपा से करते गण की रक्षा

पट्टोत्सव, जन्मोत्सव, दीक्षा दिन हम मुदित मनाएं।
गुरुवर महाश्रमण चरणों में भक्ति सुमन सजाएं।।
वंदना ! माँ नेमा के लाल को।
वंदना !! तेरापंथ गणपाल को

श्रद्धाभरी वंदना !! जन्मदिवस पर
आस्थाभरी अर्चना !! पदाभिषेक पर्व पर
नारी शक्ति की – वंदना ! वंदना !! अभिवंदना !!!

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

अवसर का इंतजार नहीं निर्माण करें,
श्रम और विवेक से सफलता का वरण करें

प्रिय बहनों,

सादर जय जिनेन्द्र।

अवसर के स्वरूप के संदर्भ में प्रायः यही कहा जाता है कि अवसर के चेहरे पर सामने की ओर बाल रहते हैं और पीछे से वह गंजा होता है। उसके पैरों में पंख लगे हुए होते हैं। यदि उसे सामने से पकड़ लेंगे तो पकड़े रह सकते हैं और यदि भाग जाने देंगे तो फिर कभी पकड़ नहीं सकेंगे। बहुत से ऐसे लोग इस संसार में हुए है जो वैज्ञानिक, सामाजिक, शैक्षणिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक क्षेत्र में एक-एक विशिष्ट काम करके साधारण से विशिष्ट बने हैं। अपने पौरूष की ज्योति से नीचे से ऊपर गए हैं। उन्होंने अपने आप को जंग पर जा रहे सैनिकों की भांति तैयार रखा और अवसर मिलते ही उसे पकड़ लिया। उन्होंने अवसर का इंतजार नहीं किया अपितु अपने उपादान की धार को तेज बनाया और सफलता के सर्वोच्च शिखर तक पहुँचकर विश्व ख्याति प्राप्त की।

कहते हैं सूरज की एक किरण को देखकर सूरज बनने का सपना संजोने वाला महान होता है। मगर वह और अधिक महान होता है जो सूरज बनने का सपना देखकर परिपूर्ण सूरज बन जाता है। सपना देखना, कल्पना करना, महत्वकांक्षा पालना, योजना बनाना और इन सबकी क्रियान्विति के लिए पुरुषार्थ करना एक सफल व्यक्ति की पहचान है। जो लोग स्वप्न देखना ही नहीं जानते, कल्पना में रस नहीं लेते, महत्वकांक्षा को नहीं संजोते और योजना बनाने में प्रमाद या भार का अनुभव करते हैं, वे अपने जीवन में कोई महत्वपूर्ण काम नहीं कर सकते। आदर्श जीवन जीने के लिए उद्देश्य की ऊँचाई, विचारों की स्थिरता और दृढ़ इच्छाशक्ति की अपेक्षा रहती है। जो लोग अपने चिन्तन और कर्तृत्व पर विश्वास रखते हैं, प्रायः अवसर का लाभ उठाना जानते हैं और कठिन परिस्थिति में भी पीछे हटने की बात नहीं सोचते, वे अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होते हैं।

अवसर कोई पका-पकाया हलवा नहीं है कि उठाया और मुँह में डाल दिया। सबसे पहले तो अवसर को पहचानने वाली दृष्टि का होना जरूरी है। उसके बाद विवेक चेतना को जगाते हुए उसे अपने कार्य और धैर्य के अनुकूल बनाना पड़ता है। अवसर का वास्तविक उपयोग खेत में बीज बोने के समान है। इस बीज से ही वृक्ष तैयार होता है, उसके बाद उस पर फल और फूल लगते हैं जिनसे दूसरों को लाभ पहुँचता है। प्राचीनकाल में अवसर को पहचान कर उद्योग करने वालों ने ज्ञान में वृद्धि करनेवाले अनेक सिद्धांतों की खोजें करके अनेक उपयोगी नवीन पदार्थों की रचना की। आज वही अप्राप्य वस्तुएं गली-गली में प्राप्य है और जन-साधारण को सुलभ हैं। ऐसे एक नहीं अनेक पदार्थ हैं जो कभी राजा-महाराजा, महान विजेताओं और शासकों को भी उपलब्ध नहीं हुए वही आज साधारण से साधारण व्यक्ति को भी सरलता से उपलब्ध है। अर्थात आज का युग मानों अवसरों का पिटारा है। एक शिक्षित युवक के सामने, एक साधारण महिला के सामने, एक सामान्य क्लर्क के सामने, एक चपरासी के लड़के के सामने या फिर गली-गली में असहाय घूमने वाले अनाथ बालक के सामने भी सैंकड़ों बड़े-बड़े सुगम मार्ग खुले पड़े हैं। अतीत में जो बातें इस श्रेणी के लोगों की शक्ति और सामर्थ्य के बाहर थीं, आज स्वयं सबका स्वागत करने के लिए सम्मुख उपस्थित हैं। आज अवसरों का अन्त नहीं है, भाग्य को बदल देनेवाली घटनाओं की कमी नहीं है, अपेक्षा है तो सिर्फ दृढ़ लगन से कार्य में जुट जाने की।

इतिहास के पन्नों में लिंकन का उदाहरण संभवतः सबसे बेमिसाल है। लिंकन की दृढ़ता ने ही उसका मार्ग प्रशस्त किया। संकल्प के धनी व्यक्ति के सामने दुनिया हमेशा रास्ता छोड़ देती है। यह सच है कि सफलता के लिए दृढ़ संकल्प आवश्यक है। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि हालात या वातावरण की विशिष्टताओं का कोई महत्व ही नहीं है या फिर केवल दृढ़ इच्छा शक्ति के बल पर कोई व्यक्ति बोनापार्ट, बीचर या लिंकन बन जाएगा। अपने अटल इरादे को विवेक की कसौटी पर कसने के साथ-साथ ज्ञान और व्यावहारिक समझ के तराजू पर तौलना भी आवश्यक है। इसके अलावा व्यक्ति को सदैव कुछ पाने की लालसा अपने भीतर जगाए रखनी चाहिए। कुछ पाने का तात्पर्य धन

अध्यक्षीय

दौलत से नहीं है, अपितु सद्गुणों से, अच्छी सीख से हैं। कुछ पाने की लालसा जब तक हमारे भीतर बनी रहेगी, तब तक हमारी प्रवृत्ति खोजी जैसी बनी रहेगी। खोजते-खोजते कभी-कभी कोई ऐसी चीज हाथ लग जाती है जिससे व्यक्ति का जीवन बदल जाता है। ऐसा ही कुछ स्कोटलेण्ड के अरेगो नामक युवक के साथ हुआ। वह बेहद खोजी प्रवृत्ति का था। उसमें कुछ पाने की, कुछ जानने की प्यास सदैव बनी रहती थी और उसकी इसी प्रवृत्ति ने उसे आसमान की बुलंदियों पर पहुँचा दिया। वह एक मामूली बुक बाइन्डर था। एक बार बुक बाइन्डिंग करते समय एक रद्दी कागज उसके हाथ लगा जिसे वह पढ़ने लगा। उस पर लिखा था – ''चलते चलो, जनाब, बढ़ते चलो, जो कठिनाइयां तुम्हारे सामने आएंगी, वे क्रमशः तुम्हारी प्रगति के साथ ही साथ सुलझती जाएंगी। बढ़ते चलो, उजाला हो जाएगा और तुम्हारे मार्ग में नित बढ़ने वाली स्वच्छता के साथ चमक-दमक आती जाएगी।''

वास्तव में वह रद्दी कागज उस पत्र की प्रतिलिपि थी, जो अलेम्बर्ट ने अपने एक मित्र को लिखा था, किन्तु अरेगो नामक उस बाइण्डर ने उसे ही अपना मार्गदर्शक बना लिया। इसी पर चलते हुए वह अपने युग का नक्षत्रवेत्ता बन गया। उसका कहना था कि प्रगति का यह परामर्श ही मेरा सबसे महान गुरु बन गया। इस प्रकार कई बार साधारण सी बात भी कभी-कभी मनुष्य के जीवन में क्रान्तिकारी बदलाव ले आती है। इससे सिद्ध होता है कि संकल्प और अवसर को पहचान कर मनुष्य क्या नहीं कर सकता। संसार के अधिकांश महापुरुषों की सफलता का यही रहस्य है। वह जिज्ञासु बने रहे, खोजते रहे और किसी कार्य में लीन हुए तो उसी में खो गए। ऐसी ही एक चौंका देने वाली घटना एण्टोनियो नामक युवक की है।

एण्टोनियो नाम का एक लड़का एक धनी व्यक्ति के घर बर्तन मांजने का काम करता था। घर के पास में एक मूर्तिकार की दुकान थी। जब भी उसे घर के काम से थोड़ी भी फुर्सत मिलती वो उस दुकान पर जाकर पत्थर काटने का काम करने लगा और धीरे-धीरे मूर्तियाँ बनाने में भी कुशल हो गया। एक दिन मालिक ने नगर के अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तियों को, राज्य के बड़े-बड़े अधिकारियों को दावत पर बुलाया। जिस हॉल में भोजन रखा था वहाँ खाने की बहुत बड़ी टेबल रखी हुई थी। उसकी सजावट का काम घर के मुख्य कर्मचारी का था। एकाएक कुछ गलती होने के कारण टेबल के मध्य की सजावट बिगड़ गयी। उधर अतिथियों के आने का समय निकट आ रहा था। एण्टोनिया का ध्यान उधर गया, उसने कहा – मैं कुछ प्रयास करके देखूं ? उस कर्मचारी ने हताश होकर कहा – ठीक है, तुम्हीं कुछ कर के देखो। एण्टोनिया तुरन्त अपने काम में जुट गया। ढेर सारा मक्खन मंगवाया और जमे हुए मक्खन से चीते की एक आकर्षक मूर्ति बना दी। जिसे देखकर सभी कर्मचारी वाह-वाह कह उठे। इधर अतिथियों का आगमन शुरु हो गया। उनमें एक मूर्तिकला का विशेषज्ञ भी था। उसका ध्यान बार-बार उस मूर्ति की ओर जा रहा था। आखिर रहा नहीं गया, पूछ ही लिया कि यह मूर्ति किसने बनायी है? तब मुख्य कर्मचारी ने एण्टोनियो को लाकर खड़ा कर दिया। उस मूर्ति विशेषज्ञ ने कहा कि यह मूर्ति तो कलाकारी का बहुत श्रेष्ठ नमूना है। यदि इस युवक को मूर्तिकला की नियमित शिक्षा दी जाए, तो यह एक दिन विश्व प्रसिद्ध मूर्तिकार बन सकता है। इस प्रकार बर्तन मांजने वाले युवक को क्या पता था कि अवसर कब और किन परिस्थितियों में आकर उपस्थित होगा। आज वही मूर्तिकार कैनोवा के नाम से विश्व प्रसिद्ध मूर्तिकारों में गिना जाता है।

बहिनों, श्रमिक दिवस से प्रारंभ होने वाले मई माह में प्रतिक्षण निःस्वार्थ श्रम करनेवाली माताओं के जीवन से तथा भगवान ऋषभ, महावीर, बुद्ध और आधुनिक युग के महावीर आचार्य श्री महाश्रमणजी जैसे महापुरुषों के जीवन से हमें यही प्रेरणा मिलती है कि जब भी मौका मिले कुछ नया सीखें, नया जानें, नया करें, एक क्षण का भी प्रमाद नहीं करें और श्रम की लौ को कभी मंद नहीं होने दें तो निश्चित ही सफलता का वरण कर सकते हैं।

आपकी अपनी

कुमुद कच्छारा

अवसरों की राह देखने वाले साधारण व्यक्ति होते हैं,
लेकिन असाधारण व्यक्ति तो अवसरों के जन्मदाता होते हैं - ई.एच. चैपिन

ऊर्जावाणी

धर्म करने के लिए कोई निश्चित समय नहीं होता। कुछ व्यक्ति कहते हैं अभी क्या धर्म करें, धर्म तो वृद्धावस्था में करेंगे। इसका अर्थ यह हुआ कि धर्म तो तब करना चाहिए, जब व्यक्ति निकम्मा हो जाए, किसी काम के योग्य न रहे। मुझे लगता है कि धर्म को बहुत सीधा और सस्ता समझ लिया गया है। भगवान महावीर ने कहा है –

जरा जाव न पीलेई, वाही जाव न वपड्ढई। जाविंदिया न हायंति, ताब धम्मं समायदे।।

जब तक बुढ़ापा न आ जाए, शरीर व्याधि से आक्रांत न हो जाए और इंद्रियां क्षीण न हो जाएं, तब तक धर्म का आचरण करते रहना चाहिए। धर्म के आचरण का कोई निश्चित समय नहीं है, वह प्रतिक्षण करणीय है। आपका प्रश्न हो सकता है कि अभी धर्म करेंगे तो अध्ययन कब करेंगे, दूसरे आवश्यक कार्य कब करेंगे।

धर्म के दो रूप है – एक नित्यकर्म, दूसरा उपासना धर्म। उपासना धर्म जब समय मिले तब किया जाता है। वह है – माला फेरना, उपवास करना, सामायिक करना, संत दर्शन करना, प्रवचन सुनना आदि। नित्य धर्म प्रतिक्षण करणीय है। वह है – क्षांति, मुक्ति, ॠजुता, मृदुता का आचरण

–आचार्य श्री तुलसी

जीवन का कोई उद्देश्य होना चाहिए, क्योंकि हमें क्षमता मिली है, विवेक मिला है, इसलिए हम उद्देश्य का निर्माण कर सकते हैं। यदि आप दर्शन के संदर्भ में सोचें कि जीवन का उद्देश्य क्या होना चाहिए तो मैं आपको छोटा–सा उत्तर दूंगा। ज्ञान, दर्शन और चरित्र में सामंजस्य – यह होना चाहिए जीवन का उद्देश्य। जीवन को संचालित करने वाली यह त्रयी बहुत महत्वपूर्ण त्रयी है। जैसे मस्तिष्क, हृदय और हाथ–पैर है, वैसे ही ज्ञान, दर्शन और चारित्र हैं। ज्ञान हमारा मस्तिष्क है, दर्शन हमारा हृदय है और चरित्र हमारे हाथ–पैर हैं। शारीरिक स्तर पर तीनों का योग है और तीनों समन्वित रूप से कार्य करते हैं। किन्तु मानसिक स्तर पर ज्ञान, दर्शन और चारित्र इस त्रयी में संगति नहीं है। इसलिए आदमी का जीवन विसंगतियों और विरोधाभासों का जीवन है। उन विसंगतियों और विरोधाभासों को मिटाना उस त्रयी में सामंजस्य स्थापित करना, यह जीवन का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य होना चाहिए।

–आचार्य श्री महाप्रज्ञ

जो आदमी कामनाओं को छोड़ देता है, उसे शांति प्राप्त करने का एक उपाय प्राप्त हो जाता है। कामना यानि अप्राप्त को प्राप्त करने की भावना, जो प्राप्त है उसकी कामना नहीं होती। कामना उसकी होती है जो अप्राप्त है। जो प्राप्त है उसमें मूर्च्छा हो सकती है, आसक्ति हो सकती है। हालांकि जनसाधारण में कामना रहती है किन्तु हमें यह ध्यान देना चाहिए कि हमारी कामना अतिमात्रा में न हो जाए। तीन शब्द आते हैं – महेच्छ, अल्पेच्छ, अनिच्छ। महेच्छ शब्द को काम में ले रहा हूँ उसका अर्थ है – महाइच्छा। जिसमें ज्यादा इच्छा या लालसा होती है वह व्यक्ति महेच्छ होता है। आदमी को ज्यादा इच्छा वाला नहीं बनना चाहिए। यहाँ महेच्छ शब्द निष्कृष्ट संदर्भ में प्रयुक्त किया जा रहा है। सामान्य आदमी के लिए अनिच्छ बनना भी नामुमकिन जैसी बात है। इसलिए बीच का रास्ता बताया गया कि अल्पेच्छ बनो। इच्छा का अल्पीकरण कर दो, असीम इच्छा मत रखो। अल्पेच्छ होने से अशांति पैदा होने का एक बड़ा कारण काफी अंशों में समाप्त हो जायेगा।

–आचार्य श्री महाश्रमण

बन्दनवार सजे भावों के वर्धापन की वेला आई,
आर्य ! तुम्हारी हर रचना में देखी दर्शन की गहराई,
हुए धन्य तुम गण को पाकर तुमको पा गण धन्य हो गया,
तुलसी–महाप्रज्ञ के युग में तेरापंथ अनन्य हो गया,
जीवन के हिमगिरि से हर पल ऊर्जा का निर्झर झरता है।।
जन्मोत्सव का पर्व सुपावन मन में नव स्पन्दन भरता है।
सुर–नर क्या कुदरत का कण–कण प्रमुदित हो वंदन करता है।।

– साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभा

करणीय कार्य - मई

बहनों ! प्रत्येक व्यक्ति जीवन में आगे बढ़ना चाहता है, मगर अधिकांश व्यक्ति ऐसे हैं जिनके पास कोई लक्ष्य नहीं है। मन में काम करने की वो आग नहीं है, जो जीवन रूपी इंजन को आगे धकेलने लायक भाप पैदा करे। उनके पास अवसर को पहचानने वाली पैनी नजर नहीं है। सफलता पाना मानो एक टीम वर्क है और इस कार्य में लगने वाली टीम है - **लक्ष्य, अवसर, अवसर को पहचानने वाली आँखे, हौंसला, आत्मविश्वास, प्रभावशाली वाणी, कुशल व्यवहार, अच्छी आदतें, कर्मशीलता और कर्मठता, त्याग की भावना, कुछ नया और कुछ नए ढंग से करने का जुनून।**

बहनों ! आत्म चिंतन करें कि क्या ये विशेषताएं आपमें है और यदि हाँ तो आपके लिए सफलता की राह आसान है। इसी उद्देश्य को लेकर मई माह में

WE connect
Communicate Collaborate Create

के अन्तर्गत आयोजित करें

Connection with Opportunity

सही अवसर की करें पहचान, सफलता की राह बने आसान

प्रशिक्षण के अंतर्गत निम्न बिन्दुओं को समाहित करें -

1. ऐसे करे अवसर की पहचान

- जागरूक हो नजर (Be Alert)
- व्यापक हो दृष्टिकोण (Be Generous)
- साहस भरा कदम (Be Brave)

2. ऐसे करे अवसर का सकारात्मक उपयोग

- रचनात्मक श्रम से नवसृजन (Hard work /Smart work)
- समय प्रबंधन, अनमोल धन (Right thing at Right time)
- अवसर का सार्थक व प्रभावी उपयोग (Optimize your opportunities)

3. ऐसे करे अवसर का निर्माण

- अभिनव सोच (Be Innovative)
- मौलिकता (Be Unique)
- कल्पनाशीलता (Be Imagijnative)

इस माह का संकल्प - प्रतिदिन एक विगय का वर्जन करें

आगामी माह के करणीय कार्य

जून– **Connection with Next Generation**

सीख लें अगर रिश्तों की ABCD, खुशहाल रहेगी नई पीढ़ी

इस कार्यशाला के अन्तर्गत प्रत्येक परिवार की तीनों पीढ़ी की बहिनों को आमंत्रित करें। (दादी सास, सास, बहू) अर्थात् नव वधू, युवती बहनें तथा बुजुर्ग बहिनों का भी समावेश हो। इसकी विस्तृत रूपरेखा आगामी अंक में दी जायेगी।

जुलाई– **Connection with Holistic Approach**

नया चिंतन नयी सोच, जीवन में अपनाएं Holistic Approach

जुलाई माह में ''महाप्रज्ञ प्रबोध'' पर प्रश्नमंच का आयोजन करें – प्रेक्षा प्रणेता आचार्य श्री महाप्रज्ञजी की जन्म शताब्दी के शुभारंभ के उपलक्ष में प्रत्येक शाखा मंडल को प्रश्नमंच का आयोजन अनिवार्य रूप से करना है। यदि छोटे क्षेत्रों में जहाँ प्रश्नमंच करना संभव नहीं हो तो महाप्रज्ञ प्रबोध पुस्तक के गद्य भाग से लिखित (ओबजेक्टिव) प्रतियोगिता का आयोजन कर सकते हैं।

प्रश्न मंच का आयोजन विभिन्न ग्रुप बनाकर ही किया जाये।

- प्रत्येक राउण्ड में उत्तर देने की समय सीमा एवं अन्य नियम स्थानीय क्षेत्र के आधार पर स्वयं तय करें।
- प्रतियोगिता में कम से कम चार राउण्ड हो तथा महाप्रज्ञ प्रबोध के 81 पद्य एवं उसके गद्य का समावेश हो।
- **प्रथम राउण्ड - पद्य राउण्ड** - पद्य के नंबर की चिट बनाई जाये और प्रत्येक ग्रुप लॉटरी सिस्टम से चिट उठाकर जो नंबर आये उस नंबर के पद्य का संगान करें।
- **द्वितीय राउण्ड - गद्य राउण्ड (प्रश्नोत्तरी)** - गद्य में से प्रश्न बनाकर चिट सिस्टम से प्रत्येग ग्रुप को पूछा जाये।
- **तृतीय राउण्ड - संकेत राउण्ड** - पुस्तक के परिशिष्ट में जो सांकेतिक घटनाएं दी है उसकी चिट बनाकर उसके माध्यम से उसे दर्शाते हुए पद्य का संगान करें।
- **चतुर्थ राउण्ड - बुझो तो जानें** - प्रतियोगिता कराने वाली बहिन चिट के माध्यम से पद्य की अंतिम पंक्ति **''हो सुजना ......''** का उच्चारण करें और प्रतियोगी बहिनें उस पद्य को प्रारंभ से गाएं।

चार राउण्ड के पश्चात् यदि प्रथम, द्वितीय, तृतीय का निर्णय हो जाता है तो ठीक है, यदि नहीं होता है तो समान अंक प्राप्त करने वाले ग्रुप के लिए एक और राउण्ड करवाया जाये।

- **पंचम राउण्ड - संस्मरणों का वातायन** - इसमें यदि प्रोजेक्टर की व्यवस्था हो तो उसके माध्यम से नहीं तो किसी अन्य माध्यम से विक्रम संवत् के आधार पर किसी घटना विशेष को दर्शाया जाये और प्रतियोगी उसे पहचान कर उस पद्य का संगान करें।
- विजेता ग्रुप की कोई भी एक बहिन बैंगलुरु में राष्ट्रीय अधिवेशन में आयोजित महाप्रज्ञ प्रबोध प्रश्नमंच प्रतियोगिता में भाग ले सकेगी। नाम श्रीमती रमण पटावरी को नोट करवा दें।

अगस्त– **Connection with Food Science**

स्वस्थ आहार का सेवन, श्रेष्ठ आरोग्य हर क्षण

सितम्बर– **Connection with Success**

सर्वोत्तम प्रयास खुद पर विश्वास, निश्चित सफलता आपके पास

अक्टूबर– **Connection with New Vision**

नया नेतृत्व नया विजन, संस्था को मिले हरपल सिंचन

''निर्माण'' एक कदम सुरक्षा की ओर

आप सभी ने ''निर्माण - एक कदम सुरक्षा'' की ओर के दो मोड्यूल पूरे कर लिये होंगे। जिन शाखा मंडलों को अभी करने में असुविधा हो रही है, वे स्कूलों में अवकाश के पश्चात् कर सकते हैं।

मोड्यूल - 3 सुरक्षा स्वयं की	मोड्यूल - 4 सुरक्षा स्वास्थ्य की
• बच्चों को Good Touch/Bad Touch की जानकारी दें। • बच्चों को शेयर करने का प्रशिक्षण दें। • घर में अकेले होने पर सुरक्षा के उपाय बतायें।	• पोषक तत्वों का चार्ट बनाकर दें। • विरोधी आहार की जानकारी दें। • शाकाहारी भोजन के लाभ बतायें। • उपचारात्मक आहार की जानकारी दें।

उपरोक्त मोड्यूल हेतु आप विभिन्न चार्ट एवं पोस्टर्स का प्रयोग करें तो बच्चों को समझाना सरल होगा।

Abtmm मोबाइल App में प्रत्येक बुधवार होगी Online क्वीज प्रतियोगिता

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा भगवान महावीर के 2618 वें जन्म कल्याणक के स्वर्णिम अवसर पर Abtmm Mobile App में आकर्षक क्वीज प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया जिसके अंतर्गत प्रत्येक बुधवार को दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिसके चार विकल्प होंगे। सही विकल्प पर क्लीक करके आगे बढ़ना है। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत जैन धर्म, तेरापंथ, सामान्य जानकारी, संस्था संचालन तथा तत्वज्ञान से संबंधित विविध प्रश्न पूछे जायेंगे। अप्रैल माह में आयोजित Connection with Technology कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्त कर बहिनों को एक स्वर्णिम अवसर प्राप्त हुआ जिससे अब तक पूरे देशभर से लगभग 200 शाखा मंडल इस प्रतियोगिता से जुड़ चुके है। सभी संभागियों को हार्दिक बधाई। जो अब तक नहीं जुड़े हैं वो कृपया शीघ्र ही अपने-अपने मोबाईल में Abtmm App डाउनलोड करें, क्वीज के अंतर्गत जाकर रजिस्ट्रेशन करें। अपना नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल, पता एवं शाखा का नाम डालकर submit करें। मैसेज के माध्यम से आपको पासवर्ड मिलेगा प्रत्येक बुधवार को App के अन्तर्गत क्वीज विभाग में जाकर मोबाईल नंबर एवं पासवर्ड डालने से आप क्वीज में भाग ले पायेंगे।

लाइफ कोच ट्रेनिंग कोर्स का अंतिम चरण मुंबई में

14, 15, 16 जून 2019

देशभर की बहनों में छिपी प्रतिभा को उजागर कर प्रभावी प्रेरक, कुशल संचालक, निपुण लेखक व प्रखर प्रवक्ता बनाने के उद्देश्य से एक वर्ष पूर्व अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा LCTC का प्रारंभ किया गया। जिसे छह मोड्यूल में विभाजित किया गया। वर्ष भर में Online सिस्टम से संचालित इस कोर्स का अंतिम चरण आगामी दिनांक 14, 15, 16 जून 2019 (शुक्रवार, शनिवार, रविवार) को तेरापंथ सभाभवन, कांदिवली (मुंबई) में आयोजित होने जा रहा है। इसमें जिन संभागियों ने चार मोड्यूल समाप्त कर लिये हैं वो सभी भाग ले सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :- जयश्री बडाला - 09867486848 रचना हिरण - 09821385587

बेटियों के बढ़ते कदम - फहराएं विकास के परचम

प्यारी बेटियों

सादर जय जिनेन्द्र !

ग्रीष्मावकाश की शुरुआत के साथ ही आप सभी अपनी परिक्षाओं की चिंता से मुक्त हो कर छुट्टियों के मूड में होंगे। समय निरंतर गतिमान है। समय की गति के साथ पुरुषार्थ करके हम अपनी कल्पनाओं में वास्तविकता का रंग भर सकते है। समय के महत्व को समझते हुए इस ग्रीष्मावकाश में ऐसा कुछ करें जिससे आपके सृजनात्मक चिंतन को आकार मिल सके। यही सही वक्त है समय का सम्यक् उपयोग करके अपने अध्यात्म ज्ञान को बढ़ाने का। आप तेरापंथ और जैन दर्शन से संबंधित पुस्तकों का अध्ययन कर उसमें परायणता हासिल कर सकती है। ताकि हम हमारे धर्म को जाने, पहचाने, उसे जीये, और अपने आप पर गर्व कर सके कि ''हम जैन है''

शब्द नहीं संकल्प से ख्वाबों को जमीं मिलेगी,
अध्यात्म ज्ञान के सूर्य से आत्मशक्ति की ज्योत जलेगी।।

आपकी
मधु देरासरिया

करणीय कार्य - मई

1. 12 मई Mother's Day है। यह दिवस करे उन सभी माताओं के नाम जिनके बच्चे नहीं है या उनके साथ नहीं है आपको वृद्धाश्रम, महिला सुधार गृह, आदि में जाकर सभी माताओं को मातृत्व की खुशियों का अहसास कराना है।

Let all mothers glow in your Love !!!

2. ''विकास का यह सफर याद रहेगा उम्र भर''

कन्या मंडल के इस मंच से जुड़कर आपने अपना कितना, क्या और कैसे विकास किया है ? इस विषय पर सभी कन्याओं को चर्चा करनी है अपने अनुभव बताने है और एक श्रेष्ठ विचार 10 जून तक केन्द्र में भेजना है।

UNIQUESHALA - Let's Dive..... with Facebook Live

हमारे व्यक्तित्व की पहचान है हमारे Communication Skills तो आइये 26 मई को 2 बजे हम सभी FB पर मिलेंगे और जानेंगे Expert से

जीवन की सफलता का राज – कब, कहाँ, कैसे करे बात

(How to improve Communication skills)

करणीय कार्य - जून

जून महिने में आपको ''**पर्यावरण बचाओ**'' विषय पर चित्रों के माध्यम से समाज में जागृति का संदेश फैलाना है। सोसायटी की दीवार, वृक्षों पर, मॉल में, स्कूल की दीवार आदि पर Drawing/Painting आदि के द्वारा यह संदेश प्रचारित करना है।

सूचना

1. इस अधिवेशन में आपको तेरापंथ प्रबोध के 65 से 125 पद्य एवं सम्पूर्ण गद्य की तैयारी करके आना है।
2. वर्ष भर में आपको जो करणीय कार्य दिये गये थे उसमें जो शेष है उसे अवश्य पूर्ण करे ताकि आपके कर्तृत्व का योग्य मूल्यांकन हो सके। कार्यों की Report Format में भर कर 10 जून तक कन्या मंडल राष्ट्रीय प्रभारी मधु देरासरिया को प्रेषित करें ताकि आपके कार्यों को प्रतिवेदन में समाहित कर सके।

आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार

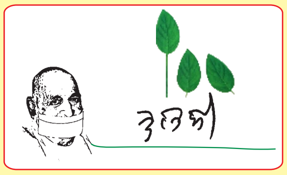

अ.भा.ते.म.मं. का गरिमामय सम्मान व सर्वोच्च पुरस्कार है ''आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार''। नारी उन्नायक आचार्य तुलसी के प्रति कृतज्ञ महिला समाज की विनम्र श्रद्धांजलि है यह पुरस्कार।

नारी सेवा, समर्पण, संस्कृति की संवाहक और सृजन का मूर्त रूप है। अतः सामाजिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, राजनैतिक आदि विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिला या महिला संस्थान को प्रति दूसरे वर्ष आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार से नवाजा जाता है। अब तक के गौरवशाली पुरस्कार प्राप्तकर्ता है - डॉ. पूर्णिमा आडवाणी (भूतपूर्व अध्यक्ष - राष्ट्रीय महिला आयोग), डॉ. किरण बेदी (प्रथम महिला आईपीएस ऑफिसर), श्रीमती सावित्री जिन्दल (पूर्व हरियाणा राज्यमंत्री, प्रसिद्ध उद्योगपति), श्रीमती नीलिमा खेतान (मुख्य संचालिका सेवा मंदिर, उदयपुर), श्रीमती अनुराधा कोईराला (संस्थाई माईती नेपाल संस्था, काठमाण्डू), श्रीमती मृदुला सिन्हा (वर्तमान महामहिम राज्यपाल, गोवा)।

अ.भा.ते.म.मं. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के वर्ष 2019 के पुरस्कार हेतु प्रविष्ठियाँ आमंत्रित कर रहा है। देश या विदेश में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिला या महिला संस्थान के नाम का आवेदन पत्र भरकर इस पुरस्कार की निदेशक श्रीमती सायर बैंगानी के निम्न पते पर भेजें। आवेदन पत्र भरकर भेजने की अंतिम तिथि 30 मई 2019 होगी। abtmm एप पर डाउनलोड करके आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार के बारे में आप जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन पत्र वेबसाइट एवं मोबाइल एप पर उपलबध है।

-: पुरस्कार निदेशक :-

श्रीमती कुमुद कच्छारा
राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्रीमती सायर बैंगानी (मुख्य न्यासी)
7-बी, श्रीराम रोड़, दिल्ली-110054
मोबाईल : 9818403318 ई-मेल : sayarshree@yahoo.co.in

श्रीमती नीलम सेठिया
महामंत्री

सीतादेवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा प्रति वर्ष वार्षिक अधिवेशन में दो बहिन को सीतादेवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। इस पुरस्कार के अंतर्गत रू. 51,000 की राशि तथा एक प्रशस्ति पत्र सम्मानित व्यक्तित्व को प्रदान किया जाता है। सभी शाखा मंडलों से निवेदन है कि आप अपने क्षेत्रों से इस पुरस्कार के लिए प्रविष्टियाँ भेजें। इसके लिए क्षेत्र अपनी जागरूकता का परिचय दे। हो सकता है कि इस बार का पुरस्कार आपके क्षेत्र की महिला को मिले। निर्णय चयन समिति पर आधारित होता है। लेकिन आवेदन के लिए जागरूकता का परिचय दें।

प्रतिभा पुरस्कार के लिए योग्यता

- यह पुरस्कार किसी महिला या कन्या को दिया जाता है।
- जिस बहिन ने अपने श्रम व स्वावलंबन से समाज विकास तथा शैक्षणिक क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बनाई हो।
- जिसे अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के शाखा मंडल प्रस्तावित करें तथा प्रस्ताव के लिए उस बहिन का फोटो सहित पूरा परिचय आये एवं परिचय पत्र के साथ शाखा मंडल के अध्यक्ष अथवा मंत्री का एक परिपत्र हो साथ में तीन अन्य पदाधिकारी बहिनों के हस्ताक्षर हो तभी आवेदन स्वीकार किया जाएगा।
- आवेदन अध्यक्षीय कार्यालय, मुंबई में भेजें। आवेदन भेजने की अंतिम तिथि 30 जुलाई है।
- 30 जुलाई के बाद प्रविष्टियां स्वीकृत नहीं की जायेगी।
- आप प्रविष्टि ई-मेल पर भी भेज सकते हैं, लेकिन मूल प्रविष्टि डाक द्वारा अवश्य भेजनी होगी।

आवश्यक दिशा-निर्देश

- सभी शाखा मंडल पूर्व निर्देशानुसार दिनांक 15 जून 2019 से 15 जुलाई 2019 तक अपने-अपने क्षेत्र के चुनाव/मनाव संपन्न कर लें।
- बहनों ! 14 जुलाई 2019 से चातुर्मास के प्रारंभिक त्रिदिवसीय कार्यक्रम का शुभारम्भ हो जायेगा, अतः चातुर्मास प्रारंभ होने से पूर्व ही यह प्रक्रिया अनिवार्यतः संपन्न कर लें। यदि किसी कारणवश संभव न हो तो केन्द्र से अवश्य स्वीकृति प्राप्त करें।
- अप्रैल माह की नारीलोक में ही यह निर्देश दे दिया गया है तो बड़ी प्रमोद भावना के साथ दायित्व के विसर्जन की तैयारी करें। यदि कोई कार्य शेष रह जाते हैं तो आने वाला अध्यक्ष उसे संपादित करे ऐसी उदारता का परिचय दें।
- जून माह में नारी उन्नायक गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी का 23 वाँ महाप्रयाण दिवस आ रहा है। 20 जून 2019 का दिन दायित्व के विसर्जन का सर्वश्रेष्ठ अवसर हो सकता है क्योंकि इस दिन को अ.भा.ते.म.मं. के तत्वावधान में पूरे देशभर में ''विसर्जन दिवस'' के रूप में मनाया जायेगा। बहनों ! इस दिन प्रातः सभी अपने-अपने क्षेत्र में विसर्जन रैली का आयोजन करें। रैली से संबंधित सामग्री महिला मंडल की वेबसाइट तथा Abtmm मोबाईल एप पर उपलब्ध होगी।
- बहनों ! प्रतिवर्ष केन्द्र द्वारा समय-समय पर आपको विभिन्न दिशा-निर्देश नारीलोक के माध्यम से तथा अन्य किसी माध्यम से दिए जाते हैं। जैसे कि रजत जयंती, स्वर्ण जयंती, श्री उत्सव, पिकनिक, चुनाव गणवेश इत्यादि के संदर्भ में। इसकी अलग से फाइल तैयार करके संस्था में अवश्य रखें। जिससे आने वाला हर अध्यक्ष संस्था का संचालन सुचारू रूप से कर सके।
- **''आओ चले गाँव की ओर''** योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य प्रशिक्षण एवं परीक्षण, स्वावलंबन का प्रशिक्षण, कन्या एवं महिला शिक्षा, सफाई प्रशिक्षण, नशा मुक्ति, अहिंसा प्रशिक्षण, शौचालय निर्माण आदि कार्य स्थानीय क्षेत्र की अपेक्षानुसार आयोजित करें।
- जिन-जिन शाखा मंडलों द्वारा **आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेंटर** का संचालन किया जा रहा है वें कृपया अपनी मासिक रिपोर्ट निर्धारित फोरमेट में भरकर फिजियोथैरेपी सेंटर की संयोजिका को अवश्य भेजें। फोरमेट वेबसाइट व मोबाइल एप पर उपलब्ध है।

कन्यामंडल के नियमोपनियम

- कन्या मंडल महिला मंडल के अन्तर्गत रहे।
- चुनाव महिला मंडल के साथ हो, जिसमें केवल संयोजिका का चुनाव हो।
- कन्या में संयोजिका व उपसंयोजिका दो ही पद होंगे। वे पदेन महिला मंडल की कार्यसमिति के सदस्य होंगे।
- कन्या मंडल की प्रभारी का महिला मंडल की कार्यसमिति का सदस्य होना अनिवार्य है। उसका चयन मंडल की अध्यक्ष/मंत्री व कन्या मंडल की संयोजिका द्वारा किया जाये।
- कन्या मंडल की स्वतंत्र आर्थिक व्यवस्था न हो। न ही स्वतंत्र निर्णय करें।
- उनके संपूर्ण कार्यक्रमों व विकास की जिम्मेवारी महिला मंडल की होगी।
- आय-व्यय का दायित्व प्रभारी का रहे। वह महिला मंडल की कार्यसमिति की बैठक में उनका बजट पास करवाये।
- केन्द्र द्वारा दिये गये कार्यक्रमों को महिला मंडल रूचि के साथ सम्पादित कराये।
- महिला मंडल 25 प्रतिशत राशि कन्या मंडल के कार्यक्रमों हेतु प्रदान करेगा।
- साल में कन्याओं की चार मीटिंग में अध्यक्ष/मंत्री अनिवार्य रूप से भाग ले।
- क्षेत्रीय अधिवेशन में कन्याएं वर्ष भर में हुए कार्यक्रमों की जानकारी दें।
- कन्या मंडल अलग से बधाई पत्र नहीं देगा। उनका सदस्य शुल्क महिला मंडल का ही होगा और उनके कार्यक्रमों का खर्च भी महिला मंडल को ही वहन करना होगा।

तत्वज्ञान / तेरापंथ दर्शन परीक्षा वर्ष 2018

वर्ष 2018 के तत्वज्ञान, तेरापंथ दर्शन परीक्षा के लिए 87 परीक्षा केन्द्रों से कुल 1434 फार्म भरे गये। इसमें से 802 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। 748 परीक्षार्थियों ने सफलता प्राप्त की। परीक्षा परिणाम 93.26 प्रतिशत रहा। इस वर्ष तत्व प्रचेता 87 व तेरापंथ प्रचेता 13 बने। सभी उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ओर से ढेरों बधाईयां।

इस वर्ष चारित्रात्माओं का भी तेरापंथ दर्शन/तत्त्वज्ञान के प्रति अच्छा रूझान रहा। कुल 64 चारित्रात्माओं ने परीक्षा दी और उनका परिणाम शत्-प्रतिशत रहा।

TOPPERS LIST

Tatwagyan Year I (Batch 2018)

S No	Name	Reg No	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Total	Merit
1	Kanta Singhvi	7898	2018	Udaipur	554	99.5	99.5	199	I
2	Deepika Choraria	7687	2018	Ahemedabad	4	99	99	198	II
3	Manju Mutha	7742	2018	Chennai	131	100	98	198	II
4	Seema Porwal	7909	2018	Udaipur	565	100	98	198	II
5	Lalita Kothari	8053	2018	Siliguri	964	99.5	98.5	198	II
6	Shruti Gatagat	8102	2018	Latur	1111	99	99	198	II
7	Anita Nahar	8174	2018	Gangawati	1343	98.5	99.5	198	II
8	Priyanka Surana	8178	2018	Gangawati	1347	100	98	198	II
9	Mita Surana	8249	2018	Vijaynagram	1426	99	98	197	III

Tatwagyan Year II (Batch 2018)

S No	Name	Reg No	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Total	Merit
1	Ranjana Dugar	7381	2017	Aurangabad	604	99	100	199	I
2	Rakhi Daga	7161	2017	Chennai	164	98.5	99.5	198	II
3	Mamta Kothari	7359	2017	Chikmaglur	500	99.5	98.5	198	II
4	Sweta Hirawat	7668	2017	Vijaywada	1220	92.5	99.5	192	III

Tatwagyan Year III (Batch 2018)

S No	Name	Reg No	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Total	Merit
1	Chesta Surana	6662	2016	Aurangabad	609	98.5	99.5	198	I
2	Savita Saklecha	5706	2015	Banglore	75	98.5	98.5	197	II
3	Chetna Karnawat	6257	2015	Nathdwara	1078	98.5	98.5	197	II
4	Mumukshu Madhumita	6586	2016	Ladnun	437	98.5	96.5	195	III

Tatwagyan Year IV (Batch 2018)

S No	Name	Reg No	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Total	Merit
1	Sushma Gulgulia	5249	2014	Kolkata	316	99	95	194	I
2	Hema Dugar	5145	2014	Kolkata Purvanchal	1240	97	95	192	II
3	Madhuri Babel	4212	2013	South Howrah	1309	97.5	94.5	192	II
4	Suman Rakhecha	5806	2015	Mumbai (Kandivilli)	336	98.5	89.5	188	III

Tatwagyan Year V (Batch 2018)

S No	Name	Reg No	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Total	Merit
1	Manju Chhajer	5167	2014	Kolkata	321	98.5	97.5	196	I
2	Sumita Bengani	5272	2014	Mumbai (Kandivilli)	337	97	97	194	II
3	Sushila Nakhat	504	2005	Jaipur (C-Scheme)	752	96.5	96.5	193	III

Tatwagyan Year VI (Batch 2018)

S No	Name	Reg No	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Pukhraj Lunawat	4922	2013	Shillong	638	98	98	50	50	296	I
2	Padma Surana	4005	2013	Banglore	102	98.5	99	46.5	50	294	II
3	Seema Kothari	2867	2010	Jaipur (C-Scheme)	753	99	96.5	48.5	50	294	II
4	Sima Giria	4357	2013	Uttar Howrah	1288	98	98	48	50	294	II
5	Manju Dugar	3582	2012	Kolkata Purvanchal	1252	98.5	95.5	49.5	49.5	293	III

T Darshan Year I (Batch 2018)

S No	Name	Reg No	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Total	Merit
1	Pukhraj Sethia (Dr)	7813	2018	Kolkata	296	90.5	86.5	177	I
2	Snehlata Pugalia	8242	2018	Tollyganj (Kolkata)	1415	75	88	163	II
3	Sumati Sethia	7936	2018	Guwahati	620	75.5	78.5	154	III

T Darshan Year II (Batch 2018)

S No	Name	Reg No	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Total	Merit
1	Khushboo Kochar	6681	2016	Banglore	66	89	89	178	I
2	Santosh Bhansali	7328	2017	Surat	394	87.5	79.5	167	II
3	Shital Sanghvi	7263	2017	Mumbai (Ghatkoper)	1018	77.5	83.5	161	III

T Darshan Year III (Batch 2018)

S No	Name	Reg No	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Total	Merit
1	Shashi Binayakia	6602	2016	Cuttack	461	78.5	89.5	168	I
2	Seema J. Dangi	6831	2016	Udhna	832	81	71	152	II
3	Rekha Rakesh Dhakar	327	2004	Mumbai (Ghatkoper)	1036	78.5	72.5	151	III

T Darshan Year IV (Batch 2018)

S No	Name	Reg No	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Total	Merit
1	Ranjana Marothi	5686	2015	Ahemedabad	24	78.5	87.5	166	I
2	Indira Lunia	4513	2013	Cuttack	465	79.5	68.5	148	II
3	Nutan Vinayakiya	5341	2014	Cuttack	466	70.5	64.5	135	III
4	Sushila Pugaliya	5880	2015	Sardarsahar	598	73	62	135	III

T Darshan Year V (Batch 2018)

S No	Name	Reg No	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Prema Bharsaria	5646	2014	Mumbai (Ghatkoper)	1034	86	78	26	49	239	I
2	Savita Bohra	4819	2013	Kelwa	901	74	76.5	30.5	45	226	II
3	Pushpa Mehta	5647	2014	Mumbai (Vasi)	1140	71.5	77.5	34	34	217	III

तत्वज्ञान / तेरापंथ दर्शन आवश्यक दिशा निर्देश

- वर्ष 2018 तत्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन का परीक्षा परिणाम घोषित हो चुका है। परीक्षा परिणाम अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की वेबसाइट www.abtmm.org पर देखा जा सकता है।
- परीक्षा परिणाम व मार्कशीट अतिशीघ्र परीक्षा केन्द्रों को भेज रहे हैं। द्वितीय वर्ष तथा उसके ऊपर की कक्षा के परीक्षार्थी फार्म के साथ मार्कशीट की फोटोकॉपी संलग्न करें।
- यदि किसी परीक्षार्थी को रिचेकिंग करवानी हो तो उस क्षेत्र की व्यवस्थापिका या परीक्षार्थी एक पत्र में अपना नाम, क्षेत्र का नाम, रोल नं., रजिस्ट्रेशन नं. तथा कौन सा पेपर करवाना है लिखकर भेज दें। साथ में रिचेकिंग शुल्क 250 रूपये abtmm एकाउन्ट में जमा करवा कर स्लिप की फोटोकॉपी साथ में भेज दें।
- मई प्रथम सप्ताह तक आप रिचेक आवेदन दे सकते है। फोन नं. अवश्य लिखें। जून प्रथम सप्ताह तक रिजल्ट आ जायेगा।
- रिचेकिंग हेतु उक्त पते पर पत्र भेजे – श्रीमती पुष्पा बैंगानी, 254, वीर अपार्टमेंट, रोहिणी, सेक्टर 13, दिल्ली 85
- वर्ष 2019 की परीक्षा हेतु फार्म वेबसाईट पर उपलब्ध है।
- परीक्षा केन्द्र के लिए कम से कम 8 परीक्षार्थियों के फार्म भेजना आवश्यक है।

निदेशिका
श्रीमती पुष्पा बैंगानी, 9311250290

राष्ट्रीय संयोजिका
श्रीमती मंजु भूतोड़िया, 9312173434

आभार

सम्माननीय तत्त्वज्ञ श्राविका श्रीमती रतनी देवी, सुपुत्र श्री सुमतिचंद सुमन जी, योगेन्द्र नीलम गोठी (मुम्बई-सरदारशहर) परिवार जिनके विशेष सहयोग से तत्त्वज्ञान, तेरापंथ दर्शन पाठ्यक्रम का सुचारू रूप से संचालन हो रहा है। अभातेममं की ओर से गोठी परिवार का हार्दिक आभार। इस पाठ्यक्रम से जुड़े सभी प्रशिक्षक एवं परीक्षक जिन्होंने परीक्षा के लिए सहयोग प्रदान किया उनके प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

जैन स्कॉलर योजना के तृतीय बैच की प्रथम कार्यशाला सम्पन्न

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा संचालित जैन स्कोलर के तृतीय बैच का शुभारम्भ मुनि जी देवेन्द्र कुमारजी के मंगल पाठ के साथ 25 मार्च को लाडनूं में हुआ। इस उपक्रम में इस बार 37 विद्यार्थी जुड़े। सभी को महिला मंडल द्वारा किट दी गई तथा तिलक लगाकर जैन स्कॉलर का बेज देकर उनका स्वागत किया गया।

पाठयक्रम में निर्धारित चार विषय – 1. संस्कृत 2. प्राकृत 3. कर्म ग्रन्थ एवं 4. द्रव्य मीमांसा पढ़ाए जाते हैं।

कर्म ग्रन्थ	–	डॉ. श्रीमती मंजु नाहटा एवं श्री विकास गर्ग
संस्कृत व्याकरण	–	समणी डॉ. भास्कर प्रज्ञाजी
संस्कृत कालु-कौमुदि	–	श्रीमती सुषमा आंचलिया
प्राकृत-व्याकरण	–	समणी डॉ. संगीत प्रज्ञाजी
प्राकृत-सूत्र	–	श्रीमती राजु दुगड़
द्रव्य-मीमांसा	–	श्रीमती कनक बरमेचा

इन सभी विषयों की कक्षाएं प्रतिदिन प्रातः 6.30 बजे से शाम 8.30 तक ली गई।

द्वितीय बैच की 4 बहनें व 1 भाई एडवांस स्कॉलर के पाठ्यक्रम से जुड़े हैं। वे आगम अध्ययन के साथ-साथ संस्कृत, प्राकृत विषय भी पढ़ रहे हैं।

संस्कृत	–	समणी डॉ. भास्कर प्रज्ञाजी, डॉ. हिम प्रज्ञाजी

प्राकृत	–	डॉ. दामोदर शास्त्री
आगम	–	समणी डॉ. कुसुम प्रज्ञाजी
प्राकृत	–	समणी डॉ. संगीत प्रज्ञाजी

कक्षाएं प्रारम्भ होने से पूर्व सभी विद्यार्थियों ने प्रशिक्षिकाओं के साथ जैन विश्वभारती में विराजित संतों के एवं साध्वी श्री शुभप्रभाजी आदि साध्वीवृंद के दर्शन किए व मंगल पाठ सुना।

साध्वी श्री शुभप्रभाजी ने अपने उद्बोधन में फरमाया कि अखिल भारतीय महिला मंडल साधुवाद की पात्र है कि उन्होंने ज्ञान का एक अनूठा उपक्रम शुरू किया जिससे भाई-बहन स्वयं तो ज्ञान प्राप्त करेंगे ही, साथ ही साथ संघ की सेवा कर गणाधिपति पूज्य गुरुदेव, आचार्य श्री महाप्रज्ञ एवं आचार्य श्री महाश्रमण के सपनों को साकार करने की ओर अग्रसर होंगे।

सरदारशहर में विराजित तपस्वी मुनि शासन गौरव ताराचन्दजी स्वामी के दर्शनार्थ सभी संभागी गए। मुनिश्री की महत्ति कृपा से 25-30 मिनट की सेवा का लाभ भी मिला। वहाँ विराजित शासनश्री मुनिश्री किशनलालजी स्वामी, मुनि श्री सुमति कुमारजी एवं जयमुनि आदि सभी संतों से प्रेरणा प्राप्त की।

लाडनूं सेवा केन्द्र में विराजित साध्वीश्री कमलप्रभाजी ने प्रेरणा दी कि कैसे मनोबल के साथ स्कोलर्स को आगे बढ़ना है और गुरुदेव के सपनों को साकार करना है।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ट्रस्टी श्रीमती कनक जी बरमेचा एवं कार्यालय प्रभारी श्रीमती सुमन नाहटा ने बहनों के स्वास्थ्य, सुविधा, अध्ययन एवं खाने-पीने का पूरा ध्यान रखा। समय-समय पर कक्षाओं में आकर अनुशासन और व्यवस्थाओं पर भी ध्यान दिया गया।

दस दिन के अध्ययन के पश्चात् साध्वी श्री शुभप्रभाजी के सान्निध्य में कृतज्ञता-ज्ञापन कार्यक्रम रखा गया जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की उपस्थिति से चार चाँद लग गये।

प्राध्यापिका सुषमाजी एवं राजूजी के साथ स्कॉलर भाई बहनों ने संस्कृत में मंगलाचरण किया। डॉ. समणी भास्कर प्रज्ञाजी ने मंजु बाई के अध्यापन कौशल एवं अनुशासन की प्रशंसा करते हुए मंजु बाई से अपने समान चार बहनों को तैयार करने का सुझाव दिया जो देश की चारों दिशाओं में इस कोर्स को चला सके। समणी डॉ. संगीतप्रज्ञाजी ने **'अधीति बोधाचरण प्रचारण'** सूत्र के द्वारा बहनों को सतत् संस्कृत एवं प्राकृत में चरण बढ़ाते रहने की प्रेरणा दी। समणी नियोजिका प्रोफेसर डॉ. मल्लिप्रज्ञाजी ने महिला मंडल के इस उपक्रम की सराहना करते हुए प्रेरणा दी कि बहनें आगमों का विशेष अध्ययन करके Rich Reading का Art प्राप्त करें। निर्देशिका श्राविका गौरव डॉ. मंजुजी नाहटा ने भाई-बहनों को सतत् पुरुषार्थ करने की प्रेरणा दी एवं सबको संकल्प बल के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा ने गुरु-कृपा के साथ बढ़ रहे इस प्रोजेक्ट के लिए पूर्वाध्यक्षों एवं संयोजिकाओं के श्रम को सराहा। मुंबई से आये भाई सुधांशु जैन, उपासिका श्रीमती मीना कोठारी, श्रीमती ज्योति पुगलिया एवं कन्यायें बिन्दु बोथरा एवं वंदना नाहर ने गीतिका, कविता एवं भाषण के माध्यम से अपने भाव प्रकट किए एवं इस पाठयक्रम से जुड़कर खुद के भाग्य की सराहना की। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जैन स्कोलर श्रीमती कनक बरमेचा ने सात शुभ संयोगों का उल्लेख कर उन्हें इस योजना के साथ जोड़ते हुए कार्यक्रम का संचालन किया।

जयपुर से आए ट्रस्टी श्रीमती सौभाग बैद, सहमंत्री श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा, फिजियोथेरेपी विभाग की संयोजिका श्रीमती विमला दुगड़ के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी भाई-बहिनों का परिचय प्राप्त किया एवं मंगलभावना प्रेषित की। संयोजिका श्रीमती पुष्पा बैद ने अनुदान-दाता तातेड़ परिवार के प्रति, समणी वर्ग एवं प्रशिक्षिकाओं के प्रति आभार व्यक्त किया तथा संभागी भाई-बहिनों के प्रति अपनी शुभ भावना प्रकट की।

आभार

जैन स्कोलर योजना का संचालन श्राविका गौरव श्रीमती प्रकाशदेवी मदनजी, कान्ता महेन्द्र जी, शर्मिला निर्मल जी तातेड़ (धानीन-उदयपुर-मुंबई) के आर्थिक सौजन्य से हो रहा है। तातेड़ परिवार के प्रति अभातेमम की ओर से हार्दिक आभार। इस योजना से जुड़े सभी प्रशिक्षक एवं संभागी भाई-बहनों के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

विराटनगर महिला मंडल की ''स्वर्णिम उड़ान''

विराटनगर – विदेश की धरा पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की एक सशक्त शाखा विराटनगर महिला मंडल के स्वर्णिम सफर अर्थात स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन अ.भा.ते.म.मं. अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या समणी निर्देशिका सन्मति प्रज्ञाजी एवं समणी ख्यातिप्रज्ञाजी के सान्निध्य में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में सामाजिक विकास मंत्री माननीय श्री जीवन थिमिरेजी, विराटनगर महानगर पालिका मेयर श्री भीम पराजुलीजी, उपमेयर इन्दिरा कार्कीजी, सांसद माननीय श्री मोतीजी दुगड़, सांसद माननीय बिन्दियाजी कार्की आदि ने प्रमुख अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में शिरकत की। अ.भा.ते.म.मं. सहमंत्री तथा नेपाल–सिक्किम प्रभारी श्रीमती रंजू लुनिया की भी कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति रही। विराटनगर महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती प्रेम दुगड़ ने सभी का भावभरा स्वागत किया। समणीवृंद ने प्रेरक मंगल उद्बोधन प्रदान करते हुए मंडल की बहनों को विकास के और अधिक पायदानों पर चढ़ने की विशेष प्रेरणा दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सरल व सटीक विचारों द्वारा महिला समाज को संस्था व समाज के विकास में अधिक योगदान देने का आह्वान किया। सभी विशेष अतिथियों ने विराटनगर महिला मंडल के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई प्रेषित की। इस विशेष अवसर पर मेयर श्री भीम पराजुलीजी ने मंडल को कन्या सुरक्षा सर्किल बनाने हेतु स्थान एवं आर्थिक सहयोग प्रदान करने की घोषणा की। इस अवसर पर विराटनगर महिला मंडल द्वारा मंडल के पचास वर्षों के इतिहास की स्मारिका का लोकार्पण भी किया गया। स्मारिका की संपादक श्रीमती संतोष जैन एवं सह संपादक श्रीमती नूतन नौलखा ने सभी अतिथियों को प्रति भेंट की। कार्यक्रम में मंडल के पूर्वाध्यक्षों एवं अलंकृत श्रावक–श्राविकाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में विराटनगर महिला मंडल के पचास वर्ष के इतिहास का सुंदर मंचन लघु नाटिका के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। समारोह के तृतीय सत्र में गायक श्री संजय जी भटेवरा एवं श्री रितेशजी मालू द्वारा भजन प्रस्तुति दी गयी। कार्यक्रम की कवरेज मकालू टेलिविजन पर प्रसारित की गयी। कार्यक्रम का सुंदर मंच संचालन मंत्री श्रीमती मिलन नौलखा द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती सरला सेठिया ने सभी का आभार प्रदर्शन किया। समारोह के द्वितीय दिवस पर अ.भा.ते.म.मं. द्वारा निर्देशित कार्यशाला Connection with Technology का आयोजन समणीवृंद के सान्निध्य में किया गया। दोनों दिन के कार्यक्रमों में सभा संस्था के पदाधिकारियों के साथ नेपाल के लगभग सभी शाखा मंडलों तथा विराटनगर के प्रमुख वर्ग एवं अन्य महिला संस्थानों की भी अच्छी संख्या में उपस्थिति रही।

नेपाल की राजधानी काठमांडू में आयोज्य विभिन्न कार्यक्रम

''समझ दायित्व की'' कार्यशाला

काठमांडू – हिमालय की गोद में बसे पशुपति नाथ की नगरी काठमांडू में अहिंसा के अग्रदूत महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी की विदुषी सुशिष्या समणी निर्देशिका जयंत प्रज्ञाजी, समणी सन्मतिप्रज्ञाजी, समणी आलोक प्रज्ञाजी एवं समणी ख्याति प्रज्ञाजी के सान्निध्य में तथा अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता में व राष्ट्रीय सहमंत्री श्रीमती रंजु लुणिया की उपस्थिति में तेरापंथ महिला मंडल काठमांडू द्वारा कन्या सुरक्षा सर्किल के अनावरण की पूर्व संध्या पर ''समझ दायित्व की'' कार्यशाला का आयोजन किया गया। बहनों द्वारा प्रेरणागीत की सुंदर प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती रश्मि जैन ने सभी का स्वागत व अभिनंदन किया। कन्या मंडल द्वारा नेपाल की संस्कृति को दर्शाते सुंदर नृत्य की प्रस्तुति दी गयी। समणी निर्देशिका जयंत प्रज्ञाजी ने प्रेरणा पाथेय प्रदान करते हुए कहा कि बहनें जागरूकतापूर्वक अपने दायित्व को समझकर उसका निर्वहन करे केन्द्र के दिशा निर्देशानुसार गतिविधियाँ आयोजित कर संघ, समाज एवं संस्था के विकास में अपना योगदान दे। धार्मिक एवं संस्कार निर्माण के कार्यों को विशेष महत्व दे। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने काठमांडू महिला मंडल की सराहना करते हुए कहा कि विदेश की धरा पर कन्या सुरक्षा सर्किल का निर्माण मंडल की जागरूकता, सक्रियता और दायित्व की समझ का परिचायक है। उन्होंने बहनों का समझ दायित्व की विषय पर विस्तृत मार्गदर्शन भी किया। कार्यक्रम में स्थानीय सभा अध्यक्ष श्री नौरतनजी चौरड़िया, अणुव्रत समिति अध्यक्ष श्री ज्योतिकुमारजी बैंगानी, टी.पी.एफ. अध्यक्ष श्री विवेक तातेड़ एवं जैन परिषद अध्यक्ष श्री फूलकुमारजी लालवानी ने मंडल के प्रति शुभकामना प्रेषित की। कार्यशाला में विभिन्न सभा संस्था के पदाधिकारियों एवं प्रबुद्ध श्रावक समाज की गरिमामयी उपस्थिति रही।

स्थानीय उपाध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा दुगड़ ने धन्यवाद ज्ञापन किया एवं कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री श्रीमती समता भूतोड़िया ने किया। कार्यक्रम में लगभग 250 व्यक्तियों की उपस्थिति रही एवं विशेष तौर पर इस कार्यक्रम के साथ शनिवार की सामायिक का सामूहिक आयोजन भी किया गया। **राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रथम बार आगमन पर काठमांडू महिला मंडल द्वारा ''भावना सेवा'' के अंतर्गत मई माह का संपूर्ण आर्थिक दायित्व वहन करने की घोषणा की गई।**

आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल का उद्घाटन

काठमांडू – नेपाल की राजधानी काठमांडू में अ.भा.ते.म.मं. की कन्या सुरक्षा योजना के तहत् आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल का निर्माण तेरापंथ महिला मंडल काठमांडू द्वारा किया गया। विदेश की धरा पर निर्मित इस प्रथम सर्किल का लोकार्पण नेपाल के स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मंत्री श्री सुरेन्द्र कुमारजी यादव एवं अभातेममं अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा द्वारा किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम समणी सन्मति प्रज्ञाजी एवं समणी ख्यातिप्रज्ञाजी ने नमस्कार महामंत्र का जाप एवं मंगलपाठ का उच्चारण किया। संकल्पगीत के साथ सर्किल का अनावरण किया गया। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती रश्मि जैन ने स्वागतोद्गार व्यक्त करते हुए सर्किल की उपयोगिता बतायी साथ ही सर्किल निर्माण हेतु सहयोग के लिए प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति आभार ज्ञापित किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने मंडल की सराहना करते हुए सर्किल निर्माण पर बधाई प्रेषित की। स्वास्थ्य मंत्री ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि आचार्यश्री महाश्रमणजी जन-जन में अहिंसा का संदेश उजागर कर रहे है। यह सर्किल कन्या सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण एवं उपयोगी सिद्ध होगा एवं आचार्य प्रवर के संदेशों का अधिक प्रचार प्रसार करने की महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। इस अवसर पर नगर पालिका की उपमेयर श्रीमती गीता सत्यपाल ने भी विचारों की प्रस्तुति दी। समारोह में राष्ट्रीय सहमंत्री श्रीमती रंजु लुणिया, प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्तियों की गरिमापूर्ण उपस्थिति रही।

जयपुर शहर – अ.भा.ते.म.मं. की सक्रिय शाखा तेरापंथ महिला मंडल जयपुर शहर द्वारा भारत के प्रथम महिला प्रधान रेल्वे स्टेशन गांधीनगर के बजाज नगर पर आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल का निर्माण किया गया। इस रेल्वे स्टेशन पर कार्यरत सभी पदाधिकारी महिलाएं है। रेल्वे प्रशासन के सहयोग से जयपुर शहर महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मधु श्यामसुखा व मंत्री श्रीमती शकुंतला चौरड़िया ने जयपुर से उदयपुर के मध्य आने वाले रेल्वे स्टेशनों पर कन्या सुरक्षा सर्किल निर्माण की स्वीकृति प्राप्त की। इन प्राप्त स्थानों में से जयपुर के गांधीनगर रेल्वे स्टेशन पर निर्मित सर्किल का लोकार्पण अ.भा.ते.म.मं. अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा एवं मीडिया प्रभारी डॉ. अर्चना शर्मा द्वारा किया। राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती सौभागजी बैद, कोषाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, सहमंत्री श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा, रा.का.स. श्रीमती विमला दुगड़ तथा जयपुर सभा प्रधान ट्रस्टी वरिष्ठ श्रावक श्री पन्नालालजी बैद, श्रीमती कमला बरड़िया एवं स्थानीय सभा संस्थाओं के पदाधिकारियों ने इस समारोह में शिरकत की। रेल्वे अधिकारियों ने मुख्य स्थल पर कन्या सुरक्षा का संदेश फैलाने वाले एवं जागरूकता को बढ़ाने वाले इस कार्य के लिए मंडल की सराहना की। स्थानीय अध्यक्ष व मंत्री ने रेल्वे प्रशासन के प्रति सहयोग के लिए सम्मान व आभार ज्ञापित किया।

बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ रैली से जयपुर शहर शाखा ने रचा विश्व कीर्तिमान

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की कन्या सुरक्षा योजना के अंतर्गत जयपुर शहर महिला मंडल ने लगभग 3000 महिला-पुरुषों की सहभागिता से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की विशाल रैली का आयोजन कर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया। अ.भा.ते.म.मं. अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, राजस्थान कांग्रेस समिति उपाध्यक्ष व मीडिया प्रवक्ता श्रीमती अर्चना शर्मा, पूर्व महापौर श्रीमती ज्योति खंडेलवाल, G.E.A.R. अध्यक्ष श्री राजीवजी दीवान, एस.आई.ए. अध्यक्ष श्री संजीव गुप्ता, श्री दलपतजी लोढ़ा, राष्ट्रीय पदाधिकारी श्रीमती सौभाग बैद, श्रीमती पुष्पा बैद, श्रीमती सरिता डागा, श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा, श्रीमती विमला दुगड़ तथा अन्य सभा संस्था के पदाधिकारियों ने 2300 बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश लिखे गुब्बारों को एक साथ आसमान में उडाये व प्रतिकात्मक रूप से बेटी को आकाश में उड़ान भरने देने का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती मधु श्यामसुखा व मंत्री श्रीमती शंकुतला चौरड़िया ने सभी का स्वागत व आभार ज्ञापन किया। विशिष्ट अतिथियों एवं महिला मंडल के सदस्यों के साथ अमन सर्किल से J.E.C.C. सर्किल तक निकली इस रैली में लगे बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ नारे से रास्ते गुंजायमान हो उठे एवं जन-जन में कन्या सुरक्षा के संदेशों को पहुँचाया गया।

कन्यामंडल की Uniqueshala

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में अखिल भारतीय तेरापंथ कन्या मंडल द्वारा Uniqueshala Workshop facebook live के माध्यम से प्रत्येक माह देशभर की कन्याओं को एक साथ संस्कार एवं व्यक्तित्व निर्माण हेतु विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाता है। मार्च माह में अ.भा.ते.म.मं. द्वारा निर्देशित Uniqueshala के विषय "Happy you, Happy We & Relation Means a lot to me पर मुंबई कन्या मंडल द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, स्पीकर श्रीमती मंजु लोढ़ा, राष्ट्रीय कन्या मंडल सह प्रभारी श्रीमती तरूणा बोहरा, तेरापंथ महिला मंडल मुंबई अध्यक्ष श्रीमती जयश्री बडाला के प्रेरणात्मक सटीक व प्रभावशाली वक्तव्य से देशभर की कन्याओं को प्रशिक्षण दिया गया। मुंबई कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती मीना कच्छारा ने कार्यक्रम के Facebook, You Tube, Instagram आदि के Live Link की जानकारी दी एवं सभी अतिथियों का स्वागत किया। श्रीमती कुमुद कच्छारा ने कन्याओं को पानी के समान रिश्ते निभाते हुए जिंदगी में Compromise एवं Sacrifice के सूत्रों को अपनाते हुए रिश्तों को मधुरता से निभाने की प्रेरणा दी। श्रीमती तरूणा बोहरा ने स्पीकर श्रीमती मंजु लोढ़ा का परिचय दिया। स्पीकर श्रीमती मंजु लोढ़ा ने कन्याओं को पारिवारिक रिश्तों के गुलदस्ते को प्यार से सजाने व संवारने की सलाह दी। साथ ही जीवन में सदैव Positive व Transparent रह कर स्वयं भी खुश रहे तथा औरों को भी खुश रखने की प्रेरणा दी। श्रीमती जयश्री बडाला ने सभी का आभार ज्ञापित किया। साथ ही कन्याओं को M.B.A. के बदले M.R.A. (Master in Relation Administration) करने की सीख दी। सभी ने नई तकनीकी से एक साथ पूरे देश की कन्याओं से जुड़ने के माध्यम को व इस Uniqueshala Concept की सराहना की।

सरदारशहर – महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी के आज्ञानुवर्ती संत शासन गौरव तपोमूर्ति मुनिश्री ताराचंदजी स्वामी के तेरह दिन की तपस्या के दिन अ.भा.ते.म.मं. अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा उनके दर्शनार्थ एवं तप अनुमोदना करने हेतु राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती सौभाग बैद, सहमंत्री श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा, रा.का.स. श्रीमती विमला दुगड़, श्रीमती सुषमा पिंचा, श्रीमती सुधा भूरा, श्रीमती सुमन लुणिया, श्रीमती सुमन बैद आदि पदाधिकारियों के साथ पहुँची। उन्होंने कहा कि तेरहवीं अध्यक्ष के रूप में वह तेरह के तप की अनुमोदना कर विशेष गौरव महसूस कर रही है। साथ ही संपूर्ण महिला समाज की ओर से उनके स्वास्थ्य के प्रति मंगलकामना व्यक्त की। कार्यक्रम में शासनश्री मुनि किशनलालजी स्वामी ने विशेष पाथेय प्रदान करते हुए फरमाया कि माता-पिता, सास-ससुर सदैव देते है अतः सभी बड़ों का सम्मान करना सीखे। मुनिश्री सुमति कुमारजी ने प्रेरणात्मक उद्बोधन प्रदान करते हुए कहा कि 21 वीं सदी महिलाओं की सदी है परन्तु विकास के साथ-साथ महिलाओं के नैसर्गिक गुण भी अधिक से अधिक पुष्ट होते रहे तो विकास सार्थक होगा। मुनिश्री जयकुमारजी ने सभी को धर्म की शरण में जाकर आत्मा के उद्धार करने का प्रयास करना चाहिए यह पाथेय प्रदान किया। कार्यक्रम में रा.का.स. श्रीमती सुषमा पिंचा को प्रेरणा सम्मान से सम्मानित किया गया। सरदारशहर महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती संगीता चिंडालिया, मंत्री वीणा बुच्चा आदि स्थानीय पदाधिकारियों व महिलाओं के साथ श्राविका गौरव श्रीमती किरण आंचलिया की कार्यक्रम में गरिमामयी उपस्थिति रही।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित शिखर सम्मेलन

सेलम – अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित शिखर सम्मेलन का आयोजन महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में तेरापंथ महिला मंडल सेलम द्वारा किया गया। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती उच्छब डूंगरवाल ने स्वागत वक्तव्य दिया। रा.का.स. श्रीमती सुनीता बोहरा ने साध्वी प्रमुखाश्रीजी का महिला दिवस पर प्राप्त विशेष संदेश का वाचन किया। महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने कहा कि ईर्ष्या व अहंकार को त्याग कर नारी यदि एक दूसरे को प्रोत्साहित करे तो वह स्वयं सशक्त बन देश की तकदीर एवं तस्वीर दोनों ही बदल सकती है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित श्रीमती कविता मोडिया (Social Worker) ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि नारी अपनी सोच को विस्तृत कर सामंजस्य के साथ आगे बढ़े तो ही वह सशक्त बन सकती है। कार्यक्रम के साथ Cancer Awarness कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। डॉ. दिव्या ने कैंसर के कारण व निवारण के बिंदुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में श्रीमती ममता बोहरा को प्रेरणा सम्मान से सम्मानित किया गया एवं सहमंत्री श्रीमती नीतू सेठिया ने उनका परिचय दिया। आगुंतक अतिथियों का परिचय रा.का.स. श्रीमती मंजुला डूंगरवाल एवं कन्या मंडल संयोजिका सुश्री आभा बैद ने दिया। मंच का कुशल संचालन मंत्री श्रीमती शालिनी लूंकड़ ने किया।

''स्वच्छ भारत अभियान'' गितिका का रेल्वे स्टेशनों एवं कचरा गाड़ियों पर प्रसारण

औरंगाबाद (महाराष्ट्र) – अ.भा.ते.म.मं. के स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत तेरापंथ महिला मंडल औरंगाबाद के विशेष प्रयत्नों से महाराष्ट्र के नांदेड़ स्टेशन से औरंगाबाद के मध्य आने वाले सभी रेल्वे स्टेशनों पर ''**स्वच्छ हो प्यारा हिन्दुस्तान.....**'' गीत प्रसारित किया जा रहा है साथ ही औरंगाबाद में चलित लगभग 200 कचरा उठाने वाली गाड़ियों में भी स्वच्छ भारत गीत जन-जन में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु नियमित तौर पर प्रसारित किया जा रहा है।

इंदौर (मध्यप्रदेश) – तेरापंथ महिला मंडल इंदौर ने भी अ.भा.ते.म.मं. के ''स्वच्छ भारत अभियान'' को जन-जन में पहुँचाने हेतु रेल्वे संभाग रतलाम से इंदौर रेल्वे स्टेशन व आसपास के रेल्वे स्टेशनों पर स्वच्छ भारत गीत प्रसारित करने हेतु आवेदन किया, जिसके प्रारंभिक तौर पर इंदौर एवं रतलाम स्टेशनों पर इस गीत का प्रसारण आरंभ हो चुका है।

भावना

अहिंसा के अग्रदूत महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी अपनी धवल सेना के साथ दक्षिण भारत में अहिंसा यात्रा द्वारा जन-जन में नैतिकता, नशामुक्ति एवं सद्भावना का संदेश पहुँचाने हेतु अहर्निश प्रयासरत है। इस यात्रा में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को भी पूज्य प्रवर के आशीर्वाद से व मातृ हृदया असाधारण साध्वी प्रमुखाश्रीजी की कृपा से कर्म निर्जरा के महनीय उपक्रम रास्ते की सेवा ''भावना'' से जुड़ने का विशेष सौभाग्य प्राप्त हुआ है। लगभग 5 महिने की इस यात्रा में छोटे-छोटे क्षेत्रों की बहनों ने पहली बार इस उपक्रम से जुड़ भीतर में अनंत आह्लाद की अनुभूति की व भविष्य में निरंतर इस क्रम से जुड़े रहने का संकल्प व्यक्त किया है। सेवार्थी बहनों के सहयोग से अ.भा.ते.म.मं. का यह उपक्रम सुचारू रूप से संचालित हो रहा है। जो भी शाखा मंडल एवं कार्यसमिति सदस्य अभी तक सेवा के इस क्रम से वंचित है उन्हें विनम्र अनुरोध है इस महायज्ञ से जुड़कर गुरु सन्निधि का लाभ उठाये। शारीरिक रूप से स्वस्थ बहिनों को ही भेजने का प्रयास करें। नाम देने हेतु निम्न बहनों से सम्पर्क करें :-

निदेशिका
श्रीमती शोभा दुगड़
+91 98313 00006

संयोजिका
श्रीमती कांता तातेड़
+91 98206 48887

श्रीमती लीना दुगड़
+91 98307 58882

सेवार्थी बहनों की सूची

नाम	क्षेत्र	नाम	क्षेत्र
श्रीमती नीलम सेठिया (महामंत्री)	सेलम	श्रीमती वीणा श्यामसुखा	साउथ कोलकाता
श्रीमती पुष्पा बैद (रा. उपाध्यक्ष)	जयपुर	श्रीमती उषा बरड़िया	साउथ कोलकाता
श्रीमती सरिता डागा (रा.कोषाध्यक्ष)	जयपुर	श्रीमती चंपादेवी संचेती	साउथ कोलकाता
श्रीमती रंजु लुणिया (रा. सहमंत्री)	शिलोंग	श्रीमती रेखा कोठारी	चित्रदुर्ग
श्रीमती नीतू पटावरी (रा.का.स.)	दिल्ली	श्रीमती दीपिका बाफना	चित्रदुर्ग
श्रीमती सुमन नाहटा (रा.का.स.)	दिल्ली	श्रीमती साक्षी जीरावाला	चित्रदुर्ग
श्रीमती पुखराज सेठिया (रा.का.स.)	साउथ कोलकाता	श्रीमती कविता बाफना	चित्रदुर्ग
श्रीमती निधि सेखानी (रा.का.स.)	सूरत	श्रीमती कंचन देवी भंसाली	मंडिया
श्रीमती सुनिता डूंगरवाल	दिल्ली	श्रीमती किरण भंसाली	मंडिया
श्रीमती ललिता संकलेचा	गदग	श्रीमती नमिता भंसाली	मंडिया
श्रीमती विजेता भंसाली	गदग	श्रीमती डिंपल भंसाली	मंडिया
श्रीमती विमला कोठारी	गदग	श्रीमती रेखा बोहरा	मंडिया
श्रीमती प्रेमलता कोठारी	गदग	श्रीमती मनीषा गन्ना	मैसूर
श्रीमती प्रतीक्षा जैन	गदग	श्रीमती कांता नौलखा	मैसूर

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता मई 2019

सन्दर्भ ग्रंथ : महाप्रज्ञ प्रबोध – 91 से 105 पद्य अर्थ सहित
तेरापंथ का इतिहास पृष्ठ 380 से 401 तक
(योजनाओं की भूमिका से गण विशुद्धिकरण हाजरी तक)

अ. रिक्त स्थान की पूर्ति करें :-

1. जयाचार्य .... के प्राण प्रतिष्ठापक थे।
2. आचार्य महाप्रज्ञ व आचार्य तुलसी का .... वर्ष का संबंध रहा।
3. तिहां सिंघाड़ा बंध .... कनै, ... लिखाया ताय।
4. कोयल की ध्वनी को राजस्थानी भाषा में .... कहा जाता है।
5. योगक्षेम वर्ष तेरापंथ की भाग्यलिपि का एक .... बन गया।
6. चार के समूह को .... कहते हैं।
7. अकिंचन साधुओं की एक अभूतपूर्व अर्थ-प्रणाली ....
8. तेरापंथ धर्मसंघ में विकास महोत्सव का मुख्य आधार है ....
9. .... के कार्यों में केवल ''बाजोटों'' का कार्य .... से सम्बन्धित होता है।
10. वि.सं. 1914 में प्रतियों पर .... का नियम बनाया गया।

ब. संक्षिप्त उत्तर दें :-

1. नई दिल्ली 4 नवम्बर 1991 में अध्यात्म साधना केन्द्र में हुए वार्तातलाप में आचार्य श्री महाप्रज्ञजी ने डॉ. कलाम को क्या बनने की प्रेरणा दी ?
2. आगम में पुरुष व स्त्री के लिए कितना आहार परिपूर्ण बतलाया गया ?
3. बाँटना किसे कहते हैं ?
4. युवाचार्य जी आप व्यास है और मैं आपका गणपति – किसने किससे कहा ?
5. साध्वियों पर कर के बदले क्या भार डाला गया ?

स. उत्तर पाँच-छः पंक्तियों में दें :-

1. लिपी कार्य के श्रम को भी जयाचार्य ने साधुओं का धन क्यों माना ?
2. युवाचार्य महाप्रज्ञ ने आचार्य महाप्रज्ञ बनने के तुरन्त बाद गुरुदेव से क्या प्रार्थना की ?
3. आचार्य को क्या समर्पित करने से पूर्व कोई अग्रणी अन्न-जल ग्रहण नहीं कर सकता। समर्पण के शब्द लिखें।

नोट : उत्तर पुस्तिका पर अपना नाम पता एवं फोन नं. अवश्य लिखें।
उत्तर महिने की 25 तारीख तक श्रीमती रमन पटावरी के पते पर अवश्य पहुँच जाए।
उत्तर फुल साइज पेज पर हाशिया छोड़ते हुए शुद्ध एवं साफ लिखें।
प्रश्न का उत्तर जितना पूछा जाए उतना ही दें।

श्रीमती रमन पटावरी
SILVER SPRING,
JBS 5 HALDEN AVENUE,
BLOCK - 1, 17-C, KOLKATA - 700105
मोबाईल : 9903518222 / 033-40620395
ई-मेल : *raman.patawari@gmail.com*

महाप्रज्ञ प्रबोध

अप्रैल माह के प्रश्नों के उत्तर

अ. शब्दों का अर्थ लिखें :-

1. खपरैल की छत वाले मकानों में जो भाग छरजेनुमा बाहर निकाला हुआ होता है।

2. आचार्य 3. गण की चिंताओं से मुक्त

4. किंचित 5. आगे जाइये।

ब. मेरा करो अंकों में समाधान :-

1. 12 2. 5

3. 2240 कि.मी. 4. 7

5. 1910

स. रिक्त स्थान की पूर्ति करें :-

1. श्रद्धास्पद तथा आदरणीय 2. प्रज्ञा

3. गुलहजारी जी 4. नवीनता

5. सूक्ष्मेक्षिका 6. गोला या कामचोर

7. आगमों 8. जैनागम आचारांग

9. शिक्षा 10. ऋषभदास जी मोदी

मार्च माह की प्रश्नोत्तरी के 10 भाग्यशाली विजेता

1.	रामेश्वरी देवी डेलडिया, बालोतरा	6.	सोनल शाह, अहमदाबाद
2.	अक्षिका मेहता, उदयपुर	7.	सरोज छाजेड़, कालीकट
3.	आशा राखेचा, पूर्वांचल कोलकाता	8.	शारदा बैद, बैंगलोर
4.	ऋतु सांड, कालू	9.	लाडजी कोठारी, मुम्बई
5.	नीरू सिंह, नाभा	10.	मधु गोलछा, विराटनगर (नेपाल)

कुल प्रविष्टियां 1064 में से सर्वाधिक प्रविष्टियां बालोतरा से 125 व अहमदाबाद से 97 प्राप्त हुई।

संगठन यात्रा

पड़ासली, चारभुजा (मेवाड़) राजस्थान - अ.भा.ते.म.मं. की ''उन्नति'' संगठन यात्रा के अन्तर्गत मेवाड़ के पडासली एवं चारभुजा महिला मंडल की सार संभाल राष्ट्रीय मेवाड़ प्रभारी डॉ. नीना कावड़िया द्वारा की गयी। दोनों ही स्थानों पर सर्व प्रथम प्रेरणा गीत से कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। स्वागत श्रीमती मंजू बडाला, श्रीमती मीना सिंघवी द्वारा किया गया। साध्वीप्रमुखाश्रीजी के संदेश का वाचन, अध्यक्षीय विचार, संगठन यात्रा संयोजिका की शुभकामना का वाचन श्रीमती मीना नवलखा, श्रीमती करूणा मेहता, कल्पना जी चव्हाण द्वारा किया गया। श्रीमती नीना कावड़िया ने संस्था की चारों योजनाओं की विस्तृत जानकारी एवं रजिस्टर रखरखाव के बारे में बताया दोनों जगह नए रजिस्टर बनवाये गए। सदस्यों की जिज्ञासाओं का समाधान किया, बहनों ने बताया कि आप के आने से हमें कई नई जानकारियां मिली। दोनों जगह बहनों ने और अधिक सक्रियता के साथ काम करने का विश्वास दिलाया। इस अवसर पर मंडल स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती मंजू कोठारी, मंत्री श्रीमती पिस्ता पटवारी, उपासिका श्रीमती विमला डागलिया, श्रीमती चंद्रा बडोला, श्रीमती ललिता जी आदि कई बहनें उपस्थित थी।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का 44वाँ वार्षिक अधिवेशन 16, 17, 18 सितम्बर 2019 को बैंगलुरु में

सभी शाखा मंडलों को सूचित किया जाता है कि अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का वार्षिक अधिवेशन एवं साधारण सभा दिनांक 16, 17, 18 सितम्बर 2019 (सोमवार, मंगलवार, बुधवार) को परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में बैंगलुरु में आयोजित होने जा रहा है। **कृपया आंगतुक प्रतिनिधि बहिनें 15 सितम्बर को दोपहर 1 बजे तक पहुँचने का प्रयास करें।** रजिस्ट्रेशन 2 बजे से प्रारंभ होगा तथा सायंकालीन सत्र भी होगा। अधिवेशन 18 सितम्बर को दोपहर 1 बजे संपन्न होगा। इस अधिवेशन की विस्तृत जानकारी आगामी अंक में प्रकाशित की जाएगी।

कन्या सुरक्षा योजना के अन्तर्गत सार्वजनिक स्थानों पर जैसे कि रेल्वे स्टेशन, बस स्टेण्ड, पार्क, धार्मिक स्थल आदि में कन्या सुरक्षा के संदेश को प्रचारित करते हुए बैठने के लिए बैंच का निर्माण करवायें। बैंच सीमेंट, पत्थर, कडप्पा, ग्रेनाइट इत्यादि की बनवा सकते हैं। उस पर निर्देशन में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल तथा प्रचारक में स्थानीय शाखा के नाम का उल्लेख किया जाये और संदेश ''करनी है जीवन की रक्षा, कन्याओं की करो सुरक्षा'' लिखवाया जाये। महिला मंडल के लोगो को भी अवश्य दर्शाये।

अभातेममं को मिलने वाला अनुदान

3,50,000	काठमाण्डू महिला मंडल द्वारा भावना सेवा हेतु।
1,00,000	श्रीमती गुलाबदेवी पदमचन्दजी पटावरी मोमासर-राजसमन्द द्वारा भावना सेवा हेतु।
1,00,000	श्राविका गौरव श्रीमती सुशीला देवी कन्हैयालालजी पटावरी (मोमासर-दिल्ली) द्वारा भावना सेवा हेतु।
51,000	श्रीमती उषा रमेशचंद्रजी बोहरा, चैन्नई द्वारा शादी की सालगिरह के उपलक्ष में सप्रेम भेंट।
25,000	स्व. श्री किशनलालजी (मास्टर जी) की पुण्य स्मृति में सुपुत्र श्री प्रमोदजी शर्मा (सरदारशहर) द्वारा भावना सेवा हेतु।
21,000	फारबिसगंज महिला मंडल द्वारा भावना सेवा हेतु।
21,000	गुलाबबाग महिला मंडल द्वारा भावना सेवा हेतु।
21,000	सूरत महिला मंडल द्वारा भावना सेवा हेतु।
21,000	डोंबिवली क्षेत्र, मुंबई महिला मंडल द्वारा भावना सेवा हेतु।
21,000	विराटनगर महिला मंडल द्वारा स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष में सप्रेम भेंट।
11,000	रायगंज महिला मंडल द्वारा भावना सेवा हेतु।
11,000	जयगाँव महिला मंडल द्वारा भावना सेवा हेतु।

संशोधन - अप्रैल माह के अंक में पूर्वांचल महिला मंडल, कोलकाता द्वारा भावना सेवा हेतु प्रदत्त राशि 51,000 को 21,000 रूपयें पढ़ें।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

महामंत्री कार्यालय : श्रीमती नीलम सेठिया - 28/1, शिवाया नगर, 4th Cross, रेड्डीयुर, सेलम-636004, तमिलनाडु
मो. : 099524 26060 ईमेल neelamsethia@gmail.com

कोषाध्यक्ष कार्यालय : श्रीमती सरिता डागा - 45, जेम एनक्लेव, प्रधान मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर - 302 017
मो. : 094133 39841 ईमेल sarita.daga21@gmail.com

नारीलोक हेतु सम्पर्क करें : श्रीमती सौभाग बैद मो. : 080031 31111 श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा मो. : 096199 27369
नारीलोक देखें website : www.abtmm.org

महातपस्वी परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी के

58वें जन्म दिवस एवं 10 वें पट्टोत्सव

के अवसर पर महिला समाज द्वारा श्रद्धा के

विभिन्न रंगों से भरी एक नन्हीं तपोमय भेंट - **पचरंगी**

अ.भा.ते.म. मंडल कर रहा हैं पचरंगी तप का आह्वान ।
जन्मोत्सव पट्टोत्सव का आ रहा है पर्व महान ।
छोटे छोटे तप का कलश श्रीचरणों में करें समर्पित ।
स्वीकारो हे ! मानवता के तीरथधाम, दे दो नव वरदान ।।

इस त्यागमय पचरंगी में आप नवकार माला, सामायिक, मौन, विगय वर्जन, एवं तिविहार त्याग कर पूज्यप्रवर के प्रति पर अपनी श्रद्धा समर्पित करें। ज्यादा से ज्यादा भाई-बहनों को इस तप साधना से जोड़ने का प्रयास करें।